हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 23 जून 2025

9 गढ़ी में 24 जून को आयोजित होगा सांग एवं लोक कवि सम्मेलन

10 सब्जी मंडी में कूड़े के ढेर होने से बीमारी फैलने का बना रहता है डर

उमसभरी गर्मी ने निकाले आमजन के पसीने, दोपहर बाद नांगल चौधरी में 11 एमएम बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गर्मी से परेशान लोगों के लिए राहत की खबर है कि मानसून जल्द ही दस्तक देने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून 25 या 26 जून को दस्तक दे सकता है। इससे पहले, मानसून ने केरल में आठ दिन व महाराष्ट्र में 17 दिन पहले दस्तक दी थी, जो एक रिकॉर्ड है। मानसून की दस्तक से गर्मी से राहत मिलेगी व तापमान में गिरावट आएगी। वहीं मानसून की बारिश से कृषि क्षेत्र को भी फायदा होगा, क्योंकि समय से पहले मानसून की दस्तक किसानों के लिए वरदान साबित होगी और किसान समय पर बाजरे व ग्वार की बिजाई कर सकेंगे।

- जल्द मिलेगी गर्मी से राहत, 25 या 26 जून को दस्तक दे सकता है मानसून

राजस्थान पर मानसून की रिकॉर्ड तोड़ बारिश के बाद जल्द ही मानसून हरियाणा एनसीआर दिल्ली में पहुंचने वाला है। इससे पहले पहले प्री मानसून गतिविधियां तथा इसके बाद मानसून की धमाकेदार एंट्री होगी। वर्तमान में एक परिसंचरण गुजरात व राजस्थान बोर्डर पर बना हुआ है। इसके अलावा एक कम दबाव का क्षेत्र उत्तरी मध्यप्रदेश पर मौजूद है। साथ ही एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय हो चुका है तथा एक चक्रवातीय सर्कुलेशन पूर्वी पाकिस्तान से उत्तरी राजस्थान पर पहुंच जाएगा।

इसके अलावा एक ट्रफ दक्षिणी राजस्थान से कम दबाव के क्षेत्र से बंगाल तक जा पहुच रही है।

नारनौल। आसमान में छाए बादल। फोटो : हरिभूमि

साथ ही एक कम दबाव का क्षेत्र उत्तर प्रदेश तक पहुंच गया है। इन सभी मौसम प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से उत्तर पूर्वी राजस्थान, हरियाणा एनसीआर दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश व कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश की संभावना है। रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में बारिश की शुरूआत हो चुकी है। पंजाब के कुछ हिस्सों में मानसून आगे बढ़ चुका है। अगले दो दिनों के दौरान चंडीगढ़ सहित हरियाणा के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। इसके बाद धीरे धीरे सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर बादलों की आवाजाही में बढ़ोतरी होगी। रविवार को महेंद्रगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश व बूंदाबांदी हुई।

जल्द होगी मानसून की एंट्री

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि जल्द ही मानसून की धमाकेदार एंट्री होगी। सम्पूर्ण इलाके में लगातार नमी वाली हवाओं व तापमान में बढ़ोतरी से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में उमसभरी पसीने छुटाने वाली गर्मी से आमजन को रूबरू होना पड़ रहा है। रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन व रात के तापमान में हल्की बढ़त हुई। हालांकि सम्पूर्ण इलाके में रात्रि तापमान सामान्य से अधिक, जबकि दिन के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। जिले में लगातार बादलों की आवाजाही के बीच दोपहर बाद नांगल चौधरी में 11.0 मिलीमीटर बारिश से आमजन को उमसभरी पसीने छुटाने वाली गर्मी से राहत मिली, जबकि शेष जिले में कहीं कहीं बिखराव वाली हल्की बारिश व बूंदाबांदी से सम्पूर्ण इलाके में उमसभरी पसीने छुटाने वाली गर्मी से आमजन को रूबरू होना पड़ा। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ में दिन व रात के तापमान क्रमशः 37.0, 28.7 डिग्री सेल्सियस तथा 37.5, 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

60 प्वाइंट पर नहीं लगाई जा रही जालियां

सीवर की गंदगी एवं बदबू से नारनौल शहर बना नरक, आमजन परेशान

नारनौल। किला रोड पर आई फोकस के सामने बहता सीवर, गुदड़ी मोहल्ला मोड़ पर ओवरफ्लो होता सीवर व पार्क गली में बहता सीवर। फोटो : हरिभूमि

- शहर की सीवर लाइनों में नगर परिषद ने जोड़ रखे हैं नालियों एवं नालों के कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में सीवर की समस्या ने आमजन की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है। शहर के विभिन्न हिस्सों में सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं, जिससे गंदगी और बदबू का प्रकोप बढ़ गया है। नरक जैसी स्थिति बनने से आमजन परेशान हैं और उन्हें अपनी दैनिक जिंदगी में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लोग बदबूदार गंदे माहौल में जीने को विवश हो रहे हैं। कमाल की बात यह है कि इस बाबत स्थानीय अधिकारियों से लेकर चंडीगढ़ तक लोग शिकायत करके थक चुके हैं, लेकिन स्थाई समाधान नहीं हो रहा।

शहर में सीवर की समस्या का मुख्य कारण सीवर प्रणाली की खराब स्थिति है। सीवर लाइनें पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं। पुरानी लाइनें काफी संकरी हैं, जिससे वे अपनी क्षमता से अधिक पानी नहीं संभाल पा रही हैं। इसके अलावा, सीवर लाइनों की नियमित सफाई नहीं होने से भी समस्या और बढ़ गई है। शहर का शायद ही ऐसा कोई एरिया हो, जहां सीवर समस्या न उभर रही हो। इंदिरा कॉलोनी, सीआईए के रोड, किला रोड, पार्क गली, नलापुर, चांदुवाड़ा आदि ऐसे अनेक एरिया हैं, जहां सीवर बार–बार ओवरफ्लो होते रहते हैं। किला रोड काफी ऊंचा एरिया है, लेकिन कमाल की बात है कि यहां का सीवर भी चॉक हो रखा है और गंदगी से फंसा हुआ है, जिस कारण सीवर चल नहीं पा रहा तथा आसपास के लोग परेशान हो रहे हैं। आमजन की परेशानी के बावजूद, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग समेत नगर परिषद के अधिकारी लंबे समय से इस समस्या का समाधान करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं। आमजन की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। जबकि सीवर की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार और नगर परिषद को ठोस कदम उठाने होंगे। सीवर लाइनों की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करना होगा। इसके अलावा, सीवर प्रणाली को आधुनिक बनाने और उसकी क्षमता बढ़ाने के लिए भी काम करना होगा।

नारनौल। सीआईए रोड पर बहता सीवर व इंदिरा कॉलोनी में ओवरफ्लो होता सीवर। फोटो : हरिभूमि

विभाग ने कर रखी हैं जालियां लगवाने की मांग, सुनवाई नहीं

शहर में यह भी देखने में आया है कि जहां-जहां नगर परिषद ने नालों एवं नालियों को सीवर लाइनों से जोड़ रखा है, वहां सारी गंदगी बहकर सीवर लाइनों में चली जाती है। पॉलीथीन आदि जाने से पर लाइनों में कचरा बनकर फंस जाती हैं और लाइनों को चॉक कर देती हैं। इससे निजात पाने के लिए नगर परिषद को जनस्वास्थ्य विभाग ने एक साल से लिखित में दे रखा है कि इन नालों एवं नालियों पर जालियां लगवाई जाए, ताकि इनमें पॉलीथीन एवं अन्य कचरा न जाने पाए, लेकिन नप अधिकारी कोई सुनवाई नहीं कर रहे। शहर में ऐसे करीब 60 प्वाइंट हैं, जहां नालियों एवं नालों पर जालियां लगाना अनिवार्य है।

नगर परिषद की लापरवाही

नगर परिषद की लापरवाही के कारण सीवर की समस्या और बढ़ गई है। नगर परिषद ने नालियों और नालों के सीवर लाइनों में कनेक्शन किए हुए हैं, जिससे सीवर की नेचुरल निकासी नहीं हो पा रही है। सीवर की निकासी के लिए सीवर ट्रीटमेंट प्लांटों पर (एसटीपी) मोटरें लगाई गई हैं, जो बिजली होने पर ही चलती हैं और सीवर की निकासी करती हैं, लेकिन बरसात होने के बाद से सीवर की निकासी नहीं हो पा रही है और सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं। कमाल की बात यह है कि जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग नगर परिषद को बरसाती नालों एवं नालियों को सीवर लाइनों से जोड़ने के लिए मना कर चुका है, लेकिन इसके बावजूद भी नप ने सीवर लाइनों से नालों एवं नालियों को जोड़ा हुआ है, जबकि शहर में सीवर की कहीं भी नेचुरल निकासी नहीं है। जब भी तेज बरसात होती है तो यह सीवर लाइनें पानी की समुचित निकासी करने में नाकाम रहती हैं और सीवर ओवरफ्लो होने लगते हैं।

सीवर से होने वाली परेशानियां और रोग

सीवर से कई तरह की परेशानियां और रोग हो सकते हैं।

गंदगी और बदबू: सीवर से निकलने वाली गंदगी और बदबू से आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोगों को परेशानी हो सकती है।

जलभराव: सीवर ओवरफ्लो होने से जलभराव हो सकता है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो सकती है।

स्वास्थ्य समस्याएं: सीवर से निकलने वाले हानिकारक जीवाणु और वायरस से स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

जलजनित रोग: सीवर के पानी में खड़े होने से जलजनित रोग जैसे कि हैजा, टाइफाइड, और दस्त हो सकते हैं।

त्वचा रोग: सीवर के पानी में मौजूद हानिकारक रसायनों और जीवाणुओं से त्वचा रोग हो सकते हैं।

श्वसन समस्याएं: सीवर से निकलने वाली बदबू और हानिकारक गैसों से श्वसन समस्याएं हो सकती हैं।

कीटाणु जनित रोग: सीवर में मौजूद कीटाणुओं से रोग हो सकते हैं, जैसे कि मलेरिया और डेंगू।

बचाव के उपाय

सीवर की नियमित सफाई: सीवर की नियमित सफाई और रखरखाव से परेशानियों और रोगों को रोका जा सकता है।

स्वच्छता: स्वच्छता बनाए रखने से रोगों को रोका जा सकता है।

सुरक्षा उपाय: सीवर के पास काम करते समय सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए, जैसे कि दस्ताने और मास्क पहनना।

टीकाकरण: जलजनित रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए।

यह कहते हैं जिम्मेदार

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के जेई आकाश यादव ने बताया कि शहर में सीवर ओवरफ्लो होने की उन्हें जानकारी है तथा इस पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर परिषद को एक साल से 6-7 बार पत्राचार कर चुके और मौखिक भी बता चुके कि नालों एवं नालियों पर जालियां लगवाई जाएं, लेकिन एक साल से सुनवाई नहीं की जा रही। जिस कारण सीवर लाइनें बार-बार चॉक हो रही हैं। उन्होंने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग के पास एक जेटिंग मशीन तथा 12 सीवरमैन हैं। एक मिनी ट्रैक्टर के लिए टेंडर लगाया जाना है।

सरपंच सहित तीन पर लगाया घर में आग लगाने व गेंहू चोरी करने का आरोप, केस

महेंद्रगढ़। गांव पाली निवासी एक व्यक्ति ने सरपंच सहित तीन अन्य पर उसके घर में आग लगाने व गेंहू चोरी करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर चार नामजद पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आरोपित सरपंच का कहना है कि उनके ऊपर लगाए आरोप निराधार हैं।

गांव पाली निवासी रतिराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अमन पसंद व कानून में विश्वास रखने वाला व्यक्ति है। उसने गांव पाली में अपनी रिहायश की हुई है तथा अपने बच्चों सहित रहता चला आ रहा है। वह मेहनत मजदूरी करके अपना व अपने परिवार का पालन पोषण करता है। गांव के सरपंच देशराज हमारे से चुनाव की रजिंश रखता हैं। उसने आपस में गिरोह बनाया हुआ है। वह व्हाटस्प ग्रुप पर धमकी देता है कि बावरिया जाति के लोग गांव की पंचायत करने के बावजूद भी चोरी को नहीं छोड़ रहे हैं। उनको वहां से तुरंत प्रभाव से भगाया जाए और उनके मकान का ध्वस्त किया जाए। सरपच व अन्य परिवार को बार-बार डराया व धमकाया गया कि आप यहां से चले जाओ नहीं तो पूरे परिवार को घर के अंदर आग लगाकर जिंदा चला देंगे। उन्होंने धमकी दी है कि राजस्थान व हरियाणा के चोरी के झूठे मुकदमें में तुम्हें फंसवा देंगे। इस डर की वजह से वह अपने परिवार के साथ गांव पाली से चला गया। बीती 15 अप्रैल को उपरोक्त लोगों ने आपस में साजबाज होकर बिना किसी वजह के हमारे घर को जलाकर राख कर दिया। उस समय घर पर राजबाला मौजूद थी। राजबाला ने मौके पर पुलिस की डायल-112 गाड़ी बुलाई।

आरोप हैं निराधार

उस ऊपर लगाए आरोप निराधार व झूठा हैं। यह एक षड्यंत्र है। जो लोग आरोप लगा रहे हैं, वह गांव में चोरी करते हैं। इनको बार-बार कहा गया था कि गांव में चोरी न करें। इसी वजह से शिकायत की है।

-देशराज सिंह, सरपंच, पाली

नागरिक अस्पताल नारनौल की और बेहतर होंगी स्वास्थ्य सेवाएं

- रात 9 से 10 तक सुनेंगे मरीजों व नागरिकों की शिकायतें
- डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. विजय डबास रहेंगे मौजूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की दूरदर्शी नीतियों की बदौलत राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर बनाने के लिए कार्य हो रहा है। इसी कड़ी में नारनौल नागरिक अस्पताल में डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. विजय डबास की ओर से की गई एक अभिनव पहल ने स्वास्थ्य सेवाओं और रोगी देखभाल में सुधार की दिशा में एक नई मिसाल कायम की है।

डॉ. विजय डबास ने घोषणा की है कि वे सोमवार से वीरवार तक रात नौ बजे से 10 बजे तक अपने कार्यालय में उपलब्ध रहेंगे, ताकि मरीजों और अस्पताल के स्टाफ की समस्याओं और शिकायतों को सीधे सुना तथा हल किया जा सके। यह अपनी तरह की अलग पहल है, जो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन सेवा ही परम धर्म के सिद्धांत को मजबूत करने के संकल्प को दर्शाती है। यह पहल विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन समस्याओं का निराकरण करेगी, जो अक्सर रात की पारी के दौरान सामने आती हैं। ऐसी समस्याओं को तुरंत हल करने की आवश्यकता होती है।

नारनौल। नागरिक अस्पताल।

मरीजों व स्वास्थ्य कर्मियों के बीच संवाद होंगे बेहतर

डॉ. विजय डबास का यह कदम प्रशासन, मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में मदद करेगा। इससे नागरिक अस्पताल नारनौल में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार व मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. आशा शर्मा ने भी इस पहल की सराहना की है। यह पहल न केवल नारनौल के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगी, बल्कि यह अन्य सरकारी अस्पतालों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बनेगी कि वे भी अपने नागरिकों की समस्याओं को सक्रिय रूप से सुनें और उनका समाधान करें।

सात किसानों के ट्यूबवेल से सामान चोरी

नारनौल। गांव सिहमा में चोरों ने सात किसानों के ट्यूबवेल से हजारों रुपये का सामान की चोरी कर लिया। फैजाबाद पुलिस चौकी में दी शिकायत में सिहमा के किसान रामनरेश ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। बीते कल जब वह सुबह अपने ट्यूबवेल पर गया तो उसे वहां से ट्यूबवेल की केबल कटी हुई मिली। चेक किया तो करीब 50 फीट केबल गायब थी। इसके अलावा चोर ट्यूबवेल की कोटडी में रखा हजारों रुपये का अन्य सामान भी चुराकर ले गए। रामनरेश ने बताया कि इस बारे में उसने जब आस पास के किसानों से चर्चा की तो आसपास के किसानों के यहां से भी चोरों ने चोरी की है। चोर गांव के ही मोहर सिंह, ओमप्रकाश, राजसिंह, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, सुभाष व रमेशचंद्र सहित कुल सात किसानों के ट्यूबवेल से केबल व अन्य सामान चोरी कर ले गए। चोरों ने ट्यूबवेल की मोटर तथा वहां पर रखे पंखे भी चुरा लिए।

जुम्मन जब हज करने गए थे , तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

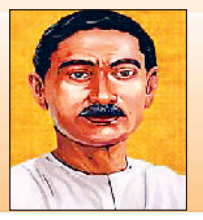

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण।

कहानी

इंदिरा दाँगी

भाग्य विधाता

गृहणियां अक्सर एक ग्लॉरीफ़ाइड नौकरानी भर रह जाती हैं!

दुल्हन भाभी का सूटकेस बेड पर खोल कर, ब्याह में आई सभी ननदें घेरा बनाकर बैठ गईं।

"अरे ! ये बैंगल बॉक्स तो कितना सुंदर है! और कंगनों के सेट भी इसके अंदर जैसे बहुत खोजकर सजाए हैं। ये गुलाबी तो चूड़ियां हैं कि मोतियों की लड़ियां ?"

मँझली बुआ सास की बेटी कहती है "ये मेरा अपने आप को शादी का गिफ्ट है। इसे तैयार करने में बाज़ार के कितने चक्कर लगाने पड़े !"

"ये तो अब मेरा हुआ !" सगी ननद चंचल ने पूरा बॉक्स उठा लिया और बंद कर, बाँह के नीचे दबा लिया।

"अरे! अरे ! कहाँ उड़ाये लिए जाती हो ? नज़र भर देखने तो दो !" छोटी बुआ श्रद्धा कहती हैं जो उम्र में विवाहित ननदों से कुछ ही बड़ी थीं और इसी गुट में डटी रहती थीं। चिढ़ने वाली पाहुनी मौसी सास सुबह ही कह रही थीं, "सींग कटाकर बछड़ों में शामिल!"

श्रद्धा बुआ टोकती ही रह गईं और चंचल ये जा वो जा! वे कोई फड़कता हुआ व्यंग्य करतीं लेकिन तभी उनका ध्यान दुल्हन की दूसरी ब्याहता ननद कंचन पर गया जो सूटकेस को ऐसे उलट-पुलट रही थी जैसे चंचल का मुनाफा उसका नुकसान है। अब इससे भी ज्यादा मुनाफा न हो तो लानत है उसकी चतुराई पर।

"ये सिंदूरी साड़ी मैं लूँगी !"

सूटकेस में जो सबसे मूल्यवान बनारसी साड़ी दिख रही थी, बड़ी ननद कंचन ने वो निकाल कर तुरंत अपने बैग में डाल दी। बगल में चचेरी-ममेरी-फुफेरी ननदें, दुल्हन को सुन-सुनाकर फुसफुसाती रहीं, "ये दोनों कितनी लालची हैं !"

"अरे ! अभी तो बस इनका ही रंग देखा है बहू ने; इनकी माँ का नहीं देखा !"

...और माँ वेणी वाकई बेटियों चंचल और कंचन से दो कदम आगे थी !

शाम को बहू से कहा, "अरे, शादी में कितनी अंगूठियाँ मिली हैं जरा उतार कर दो तो; पाहुनियों को दिखानी हैं।"

बहू ने छह अंगूठियाँ उतार कर दे दीं। सास बाहर ले गई और थोड़ी देर बाद लौटा ले आई।

"लो पहन लो, अपनी अगूठियाँ।"

बहू देख रही है; छह अंगूठियाँ लेकर गई थीं, पाँच लौटा रही हैं सो भी एक-एक को गौर से देखती-तोलती-सी।

क्या वो कह दे कि एक अंगूठी कम है? एकाएक चोरी का इल्जाम कैसे लगा दे ऐसे ! सोच रही थी कि रात में पति योगेश से बात करेगी।

लेकिन यहाँ तो ये हाल था कि लंका के छोटे वीर, वे भी उनचास हाथ के! वही सोने की अंगूठी पतिदेव ने दीप्ति को घूँघट उठाते समय पहना दी।

...उसका दिल टूट गया !

कैसी धूर्त ससुराल मिली है ! लेकिन अब पैरों के नीचे की ज़मीन यही है; मायके में तो अम्मा ने कभी महसूस ही न होने दिया कि दोनों भाई-भाभियों के अलावा भी वो घर किसी का है! शादी से बरस भर पहले जब बी.एड. की उसकी फीस का सवाल था तो उन्होंने साफ मना कर दिया था,

"इतना फिजूल पैसा नहीं है हमारे पास उड़ाने को! मनु की नई नौकरी है। दिल्ली में उसकी गृहस्थी का सब खर्च उठाने में ही कमर टूटी जाती है। फिर प्रदीप की ठेकेदारी में भी अभी कुछ मुनाफा नहीं होता। अकेले पापा के वेतन में तुम्हारे बी.एड. के लिए गड्डियाँ कहाँ से लायें! अगले साल तुम्हारी भी तो शादी करनी है। वो तो अच्छा हुआ शादी का मुहूर्त इस साल टल गया, मंगल दोष के कारण। मायके से बी.ए. पास करके जा रही हो; इतना भी बहुत है! आगे और जो अरमान हों, अपने घर जाकर पूरे करना। और इस साल तो वैसे भी मेरा घुटने का ऑपरेशन है। तुम कॉलेज जाओगी तो घर का सब काम कौन करेगा ? बड़ी बहू दिल्ली में, छोटी अपने बच्चों में उलझी रहती है। ऐसा करो अब ये पढ़ाई-वढ़ाई बंद करो। और इस साल मन लगाकर घर-गृहस्थी सीखो! हर समय हाथ में किताब लिए फिरती हो। रसोई में मन लगाओ ! कल को ससुराल जाओगी तो क्या हमारी नाक कटाओगी !"

लेकिन फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी। "आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

फिर भी दीप्ति ने बी.एड. की प्रवेश परीक्षा दी और उसे दाखिला भी मिल गया। पिता को किसी तरह मनाया। पिता यों माँ और बेटों के सामने कुछ न बोलते थे लेकिन घर में अगर कोई वाकई प्रगतिशील सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही।

सोच का धनी था तो वे ही थे। और जब वे अपना निर्णय सुनाते तो सब बस कुड़बुड़ाते रह जाते। घर आखिर उनके वेतन से जो चलता था। ...दीप्ति ने बी.एड. की पढ़ाई शुरू कर दी। वो घर के काम भी करती रही, कॉलेज भी जाती रही और भावी ससुराल जाने की तैयारियाँ भी साथ-साथ चलती रहीं। भाभियाँ आपस में कहतीं, "कितनी चंट है ये लड़की ! अम्मा हज़ार काम बताती रहें, ये अपनी पढ़ाई-लिखाई, अपनी तरक्की नहीं छोड़ती!"

"हूँह! लेकिन तरक्की का सब खर्चा अभी तो मायके वालों के सिर है सो दीप्ति बिन्नू की पौ बारह है! बी.एड. के पहले साल के ये दोनों सेमिस्टर तो हो जाएंगे। अगले साल देखेंगे, ससुराल वाले फाइनल की फीस भरेंगे कि नहीं ! चालीस हज़ार कोई कम रकम तो नहीं होती !"

"फीस क्यों न भरेंगे ? पढ़ लिखकर बहूरानी नौकरी करेगी ! क्या ही पता, सरकारी नौकरी लग जाए ! सोने की मुर्गी को भला कौन नहीं चाहता !"

"अभी नहीं बनी सोने की मुर्गी; अभी तो चूज़ा है ! अभी तो खर्चा ही खर्चा है। और रुपये की जड़ कलेजे में होती है। पता नहीं, उन लोगों की मंशा क्या निकले ? वे आगे पढ़ाएंगे भी कि नहीं ? नौकरी तो बाद की बात है। सुनते हैं, होने वाली सास तो बहुत ही तेज़ है। ब्याहता ननदों का भी बड़ा दखल है घर में।"

शादी के समय दीप्ति को भी यही चिंता थी। "आगे मेरी बी.एड. फाइनल की फीस का क्या होगा ?"

नवब्याहता दीप्ति मायके आई है तो सोच में डूबी, अपने में गुमसुम रहती है। ससुराल में पन्द्रह दिन रहकर ही वो जान गई कि वहाँ अभी बरसों-बरस तक उसकी स्थिति ऐसी रहने वाली है कि सभी की सेवा भी करनी है और सभी की डाँट भी खानी है। रहने-खाने के सहारे के बदले अपना सर्वस्व ससुराल वालों के चरणों में रखकर न चलेगी तो निभ न सकेगी। पर इसमें क्या नया है ? ससुराल वाले नई बहू से नौकरानी जैसा ही बर्ताव तो करते हैं। सोच ये रहती है कि शुरू में ही दबा लो फिर पूरी जिंदगी सुख से सेवा करवाओ। नहीं तो, जो शुरू में सिर पर चढ़ गई तो उम्र भर नाचेगी नहीं बल्कि नचाएगी! दीप्ति लेकिन अपने लिए एक ऐसा भविष्य देखती है जो आसपास के माहौल से हटकर है। वो पति की साथी बनना चाहती है; बूढ़े सास-ससुर का सहारा। इसके अलावा, उसका अपना एक जीवन हो, पहचान हो, आत्म निर्भरता हो और सबसे बढ़कर सम्मान हो!

दीप्ति पीतल का टेबल लैम्प और गमले नींबू, राख और दही से साफ कर रही है। बैठक की हर चीज़ अब तक वो ही साफ करती रही थी। अपनी सोच में गुम है, क्या अम्मा से बात करे या पापा से ही फिर कहे! बड़े भैया को भी तो फोन कर सकती है दिल्ली। उनकी तो सरकारी नौकरी है फिर भी तो खर्च खेती और पापा की पेंशन से उठता है। क्या छोटी बहन को इतना भी न दे सकेंगे? जब बी.एड. के बाद उसकी नौकरी लगेगी तो चुका देगी। ये बात तो वो प्रदीप भैया से भी कह सकती है। अभी ही तो भाभी दिखा रही थीं उसे अपना नया लॉकेट, जो कहने को तो वे अपने मायके से लाई हैं; लेकिन वो असलियत जानती है कि भैया ने उन्हें बनवा कर दिया है!

लैम्प और गमले सब धो-माँजकर उसने एक ओर टिका दिए धूप में, हमेशा की तरह; और बैठक में जाकर बल्ब, डोरी, प्लग लाने चली गई ताकि उसे लैम्प में फिर से फिट कर सके। लौटकर देखती है कि पीतल का सब सामान गायब!

"अरे अम्मा ! लैम्प, गमले सब कहाँ गए ?"

"तुम्हारी भाभी ले गई अपने कमरे में ?"

"क्यों ?"

"ले जाने दे; तू क्यों पूछती है? क्या अपने घर ले जाने की मंशा थी ?"

ये इल्जाम! दीप्ति का दिल फिर टूट गया। आगे उसका यहाँ आना मेहमानों-सा रह गया। जब भी आती, अम्मा चिंतित-सी होकर पापा से पूछती, "दीप्ति को कितने की विदाई देनी है ?"

- क्रमश...

कविता

अरुण आशरी

व्यथा एक पेड़ की

खुले आसमान तले
मैं भी कभी इतराता था
ऊँचा उठने की होड़ में
पूरी गर्मी झेल जाता था
मेरी छाँव तले
कितने ही मुसाफिर
राहत की साँस ले पाते थे
मन ही मन
शुक्रिया अदा कर
आगे बढ़ जाते थे ,
बच्चे भी नादानियों की
बरसात लेकर आते थे
तरह-तरह के खेल खेलकर
मेरे सर तक चढ़ जाते थे
कभी मेरी बाँहों की डाल पर झूलते
कभी झूलते-झूलते
जमीं पर कूदते
आनंद की सीमा भी लांघ जाते थे
तब कहीं जाकर अपने घर जाते थे
मैं भी रात को ही
चैन की नींद ले पाता था
मन ही मन अपने भग्य पर इतराता था
अगली सुबह फिर
नई ताजगी के संग उठ जाता था,
इंसान भी,
जहाँ मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता था
सुन्दर, मनोहर जैसे शब्दों से
मुझे अलंकृत कर जाता था
और फिर घर भी वहीँ बनाता था ।
आज वही इंसान
जहाँ कहीं भी
मेरे जैसे पेड़ों का झुण्ड पाता है
सबसे पहले उन्हें कटवाता है
फीते से जगह नपवाता है
बहुत सुन्दर जगह का
अलंकरण अब भी दे जाता है
पर घर वहीं बनाता है ।
प्रदूषण का खंजर
अब मेरे खून से सनाँ है
मेरी अब की हालत
कुछ इस तरह बयाँ है,
कोई भी मुसाफिर
अब यहाँ नहीं आता है ,
बच्चा भी बस
दूर से ही देख चला जाता है ।
प्रदूषण की मार
इस क़दर मुझे रुला गई,
मुझे भी इक बात समझ में आ गई,
खुले आसमान तले भी मैं,
इक पिंजरे में बंद हूँ,
जब लोग दिल में दिमाग रखते हैं,
तो मैं कहाँ का अक्लामन्द हूँ।

गीत

डॉ . पंकज गौड़

हे युवा स्वयं का निर्माण कर

बंद कर छद्म युद्ध,शांति से बनेगा बुद्ध
हर धर्म के प्रति,मन में मान भर
जान ले तू,खुद को,वीरता समुद्र को
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

जुल्म की है इंतिहा,रास्ते कठिन तो क्या
हर नगर;डगर नया गुमान दे।
कोई कहीं से गया,तुझे उससे क्या गिला
नित्य नव्य पंथ तू निकाल ले।

आंसू ले गरीब के,जुल्म मिटा करीब के
झोपड़ी में दीप का तू दान कर।
खेत के किसान को,सीमा पे जवान को
हर घड़ी हृदय से रख,सलाम कर।

दर-दर की हर खबर रखते हो तुम मगर
दीप क्यों बुझे है स्वाभिमान के ?
रक्त मांगती धरा,बुत ना हो, नजर मिला
हो प्रसन्न प्राण अपने वार कर।

खुद,खुद से युद्ध कर,आत्मा को शुद्ध कर
ज्ञान से तमस हटा,अलख जगा।
ज्ञात से अज्ञात तक,रात से प्रभात तक
साथ दें, हमकदम गले लगा।

अथाह की तू थाह ले,चाही अपनी राह ले
उधार के विचार नहीं काम के।
खोज के जतन से,मौज से; मनन से
हे युवा स्वयं का निर्माण कर !

लघुकथा

सविता गोयल

तपन

का, इतनी भरी दोपहरी में कहाँ जा रहे हो ? बाहर लू चल रही है, बीमार हो जाओगे ।

'बिटवा, जब घर में चूल्हा ठंडा पड़ा हो तो ये सर्दी-गरमी कहाँ हमरे बदन को छूवत है । पेट की आग बुझावे के खातिर बदन को थोड़ा तपाने में का हरज है । दो पैसा कमाकर घर में लाएंगे तो घर में चूल्हा जलेगा । बच्चा लोग का पेट में रोटी और चेहरा पर शांति देखेंगे तो ई सारी तपन ठंडी हो जावेगी। , कहते हुए उस झुलसती दोपहरी में भी रघु काका ठेला लेकर काम ढूंढने निकल पड़े ।

कविता

राजेश 'भारती'

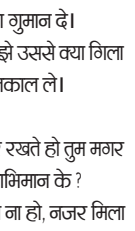

रोटी का हिस्सा

रोटी बनाते वक़्त, माँ अक्सर कहती थी
थोड़ा-सा आटा बचा लिया कर
पंछी भी भूखे नहीं रहने चाहिए

अब मैं शहर में रोटी तोड़ता हूँ
पर खिड़की के बाहर, पंछी नहीं
बस धूल उड़ाती गाड़ियाँ हैं

क्या बचाऊँ मैं ? माँ की वो बात
या वो भूख, जो अब मेरे भीतर भी
कहीं पंख फड़फड़ाती है।

कवि और गीतकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य की चुनौतियों को लेकर कहना है कि इस इंटरनेट युग में हर कोई सोशल मीडिया पर अपनी अभिरुचि की सामग्री तलाश कर ज्ञान पाना चाहता है, लेकिन यह सत्य है कि गुरुओं के सानिध्य के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसलिए इस बदलते परिवेश में वरिष्ठ साहित्यकारों और लेखकों की पुस्तकों का अध्ययन करने से लेखनी को यशस्वी किया जा सकता है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

मानवीय मूल्यों को जीवंत रखने में साहित्य अहम : वीरेन्द्र 'मधुर'

भारतीय संस्कृति में सामाजिक उत्थान के लिए साहित्य संवर्धन की भी अहम भूमिका मानी जाती है। इसलिए साहित्य के क्षेत्र में लेखक और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य सृजन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शामिल वरिष्ठ साहित्यकार वीरेन्द्र कुमार शर्मा भी सामयिक विषयों और सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर कविताएं, गीत, गजल, मुक्तक और आलेख जैसी रचनाओं के संसार को दिशा देने में जुटे हैं। उन्होंने हिंदी और हरियाणवी भाषा में साहित्यिक साधना के साथ सामाजिक सेवा को भी सर्वोपरि रखा है। वरिष्ठ साहित्यकार, कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र 'मधुर' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिनमें साहित्य संवर्धन में सभी भाषाओं के सम्मान के साथ मानवीय मूल्यों को जीवंत रखना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि वीरेन्द्र 'मधुर' का जन्म 1 जनवरी 1958 को यूपी के मुजफ्फरनगर में रामेश्वर प्रसाद शर्मा एवं सुशीला देवी के घर में हुआ।

परिवार में हालांकि कोई साहित्यिक माहौल नहीं था, लेकिन उनके दादा मूल चंद शर्मा शिक्षक रहे। वीरेन्द्र की प्राथमिक शिक्षा शहर की प्राइमरी पाठशाला में हुई, जहां उनके प्रथम गुरु मोहम्मद इकबाल बने। इन्हें पहली बार साल 1968 में कक्षा पांच के दौरान स्कूल में मंच मिला। स्कूल में वे साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी मंचन के साथ ड्रामा, डांस और गाना बजाना भी भी करने लगे। उन्होंने कक्षा छह से आठ तक स्कूल में अंताक्षरी, वाद-विवाद और अभिनय में हमेशा प्रथम स्थान हासिल करके हैट्रिक अपने नाम की। रसायन विषय से एमएससी की डिग्री के बाद उन्होंने सरकारी और गैर सरकारी केमिकल प्रतिष्ठानों 32 साल तक नौकरी और व्यवसाय किया। इसके बावजूद उन्होंने अपनी साहित्यिक और सांस्कृति अभिरुचि से नाता नहीं तोड़ा और हारमोनियम और तबला भी सीखकर अपनी विधा को लगातार धार दी। बकौल वीरेन्द्र कुमार शर्मा, उन्होंने साल 1974 में रचना गीत जब पीहू पीहू, इस रेत के शहर में, रिमझिम आया सावन, कहां से लाऊं बचपन अपना, जैसे गीत लिखना शुरू किया, जिन्हें सराहते हुए एक प्रख्यात कवि ने उन्हें मधुर नाम दिया। उनके ये गीत काफी प्रचलित भी हुए। साल 1985 में वह परिवार के साथ हरियाणा के रोहतक आए, जहां उन्होंने एक कैमिकल प्रतिष्ठान में नौकरी की और उसके बाद रोहतक में ही बस गये। परिवार में बेटों के रोजगार लगने के बाद वे अपने साहित्यिक लेखन को आगे बढ़ाते रहे और हरियाणवी संस्कृति में रमना शुरू कर दिया। हालांकि उन्हें हरियाणा में भाषा विशेष के कारण परेशानी का भी सामना किया, जहां अलग पड़े धड़ों में हिंदी गीत को रागिनी के प्रचलन में रखना एक कठिन डगर रही लेकिन उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और साहित्य सृजन में तपस्या, मेहनत और अभ्यास ने उनके साहित्यिक लक्ष्य को बुलंदियां दी।

उन्होंने म्हारे गाम की छोरी, कदे कदे न्यू धड़के सै, जैसे अनेक हरियाणवी गीत व कविताएं भी लिखी हैं। उनकी रचनाओं का फोकस सामयिक और सामाजिक सरोकारों के मुद्दों, अंधविश्वास, मानव एकता, देशभक्ति जैसे विषयों पर रहा है। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी और काव्य मंच के संयोजक व संचालन का दायित्व निभाना उनके लिए गर्व का विषय है। उनका सौभाग्य रहा कि उन्हें वरिष्ठ साहित्यकारों व कवियों के साथ मंच साझा करने और काव्य पाठ करने का मौका मिला। इन्होंने साल 2017 में दुबई (यूएई) की विदेश यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में हरियाणवी संस्कृति से जुड़े गीत और काव्य पाठ किया है। वह रोहतक की कला परिक्रमा, पंजाबी साहित्यकार मण्डल, विजन फाऊण्डेशन, टैगोर काउंसिल आफ आर्ट रोहतक जैसी कई साहित्यिक, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

वहीं वे संस्कार भारती रोहतक जिला इकाई के साहित्य प्रमुख भी रह चुके हैं। आकाशवाणी, डीडी न्यूज जयपुर और आकाशवाणी नई दिल्ली व हिसार से भी उनकी कविताओं और गीतों का प्रसारण हो चुका है। उनकी रचनाएं देश के प्रतिष्ठत पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

गीतकार वीरेन्द्र मधुर की प्रकाशित एक दर्जन पुस्तकों में गीत संग्रह 'गलता हुआ हिमानी', 'भ्रूण के पहरुए', 'कोहराम जिंदगी का', कविता संग्रह आसमान लुटता है व साँझ मेरे आँगन आयी, गजल संग्रह आवाज का जंगल, कहानी संग्रह वापस गांव की ओर, भक्तिगीत काव्य संग्रह हरि मन मनके सुर्खियों में हैं। उन्होंने काव्य संग्रह मुक्तक वाटिका और बच्चों के लिए हंसता बचपन शीर्षक से भी पुस्तक लिखी हैं। इन्होंने कला परिक्रमा संग्रह रचनाएं भी लिखी हैं।

वीरेन्द्र 'मधुर'

पुरस्कार व सम्मान

वरिष्ठ कवि एवं गीतकार वीरेन्द्र मधुर को साहित्यिक सेवाओं के लिए अनेक पुरस्कार मिले हैं। प्रमुख रूप से उन्हें हिन्दी साहित्य श्री सम्मान, हंस पुरस्कार, अजमेर मोर स्मृति साहित्य सम्मान, काव्य-भूषण सम्मान, साहित्य सम्मान, प्रज्ञा साहित्य मंच का 'साहित्य सोम' सम्मान मिले हैं। वहीं जयपुर, मेरठ, नांदूरा, हिंदी साहित्य अकादमी दिल्ली, कला संगम दिल्ली, भारतीय महोत्सव समिति श्रीगंगानगर जैसी सामाजिक एवं साहित्यिक संस्थाओं से सम्मान दिया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : वीरेन्द्र 'मधुर'
जन्मतिथि : 1 जनवरी 1958
जन्म स्थान : मुजफ्फरनगर (यूपी)
वर्तमान निवास : रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : एम.एस.सी. (रसायन)
संप्रति : लेखक, कवि एवं गीतकार

सावन का दर्पण है 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य'

पुस्तक : मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झन्डई
मूल्य : 299 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन, जयपुर

पुस्तक समीक्षा

सुशील सैनी

लघु कविता संग्रह 'मुम्बई का प्राकृतिक सौंदर्य' में रचनाकार डॉ. हरीशचंद्र झन्डई ने प्रकृति का बखूबी वर्णन किया है। संग्रह में तमाम कविताएं मुम्बई शहर पर आधारित हैं। कवि के अनुसार उन्हें खराब स्वास्थ्य के चलते मुंबई महानगर में जाकर रहना पड़ा, तब सावन का महीना था। इसी दौरान इन लघु कविताओं को लिखने की प्रेरणा मिली।

कवि ने शायद इसी कारण इस संग्रह में मुंबई के सावन को लघु कविताओं का आधार बनाया है। उदाहरण देखिए, 'सावन की मस्ती' में - लगती है जब सावन झड़ी/ टिप-टिप करती हैं बारिश की बूँदें।' सावन में धरती बारिश से भीग जाती है, (सावन से भीगी धरती)। धूप में बरसता सावन के बूँदों की/चमक है निराली (धूप में बरसता सावन)। कवि ने वर्षा का चित्रण इस प्रकार किया है- छम-छम करती वर्षा/ठण्डी-ठण्डी हवाएँ (वर्षा की फुहारें)। बरसात रुक-रुक कर हुई तेज़ वर्षा/बरस रहे मेघ (बरस रहे मेघ) कई बार बादल आसमान घेर लेते हैं- घिर-घिर आये/सावन के बादल/गरजते, बरसते (बादलों ने आसमान को घेरा)।

इसी प्रकार, सावन की बारिश में भीगी भीगी लड़की/प्राकृतिक सौंदर्य से चेहरे पर भी मुस्कान। सावन की हवाएँ, सुहावनी हवाएँ भी कह रहीं और सुहावनी रात गीत गाती हैं (सुहावनी रात)। हम कह सकते हैं कि इस संग्रह की ज्यादातर कविताएं बारिश का ही वर्णन करती प्रतीत होती हैं। तरह-तरह की इनकी है/ प्राकृतिक रँग-बिरँगी पोशाक (पक्षियों की प्रकृति) और 'सावन में पक्षी 'उड़ते हैं- पक्षियों की होती है उड़ान / एक दिशा से दूसरी दिशा तक। ऐसे समय में प्रवासी पक्षी भी दिखाई देते हैं- आते हैं प्रवासी खूबसूरत पक्षी (खूबसूरत पक्षी) 'चली हवाएँ और 'बहारों के सपने' में कवि ने मंद-मंद हवा और फूलों की बात कही है। 'पतझड़' में छाया है निराला पतझड़/कल आएगा बसन्त लेकर, कवि के आशावादी दृष्टिकोण को दिखाता है। बरसात के अतिरिक्त कवि ने मुम्बई के दर्शनीय स्थलों जैसे 'जुहू चौपाटी' और 'मरीन ड्राइव' 'एलीफैंट गुफ़ाएं' पर भी लेखनी चलाई है। 'पेड़ लगाओ काटना बंद करो' के जरिए कवि ने पौधरोपण का भी आह्वान किया है। वे कहते हैं- विकास से प्रदूषित है पर्यावरण/ दहक रहे जंगल सिसक रहा है पर्यावरण (दरकते जंगल सिसकता पर्यावरण)। इस संग्रह में करीब एक सौ लघु कविताएं सम्मिलित हैं। इनकी भाषा सहज और सरल है। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

जलमहल गेट से 144वीं प्रभातफेरी निकाली

नारनौल। शहर की प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में 144वीं प्रभात फेरी का आयोजन पुरानी मंडी नजदीक जलमहल गेट से किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान रामसिंह यादव, ईश्वर यादव परिवार ने ठाकुर जी व निशान का पूजन करके गीता पाठ कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। संस्था के वरिष्ठ सदस्य राजीव पटीकरा व सतीश शर्मा ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन शहर की एक मात्र संस्था है, जिसमे आने वाले दान को गोमाता की सेवा व मानव सेवा में इस्तेमाल किया जाता है। समिति के सदस्य नवीन जैन ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन शहर की पहली संस्था है, जिसने राधा नाम की अलख शहर की हर गली मोहल्ले में लोगों के मन में जगा दी है।

पंडित गणपत राम की पुण्यतिथि पर सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक

गढ़ी में 24 जून को आयोजित होगा सांग एवं लोक कवि सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आशु कवि पंडित गणपत राम की 16वीं पुण्यतिथि पर 24 जून को गांव गढ़ी खुडाना में पंडित गणपत राम स्मृति स्थल गढ़ी में सांग एवं लोक कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। पंडित गणपत राम लोक संस्कृति मंच के अध्यक्ष रविदत्त महाशय एवं सचिव मनोज गौतम ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पंडित गणपत राम स्मृति स्थल गढ़ी पर बैठक कर युवा मंडल एवं कमेटी के सदस्यों को जिम्मेवारियां दी गई।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में चुने हुए प्रसिद्ध लोक कवियों की प्रस्तुतियां होगी। इसके बाद सांगी सुभाष प्रचारी द्वारा हरियाणवी सांग किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित अतिथियों और कवियों को सम्मानित किया जाएगा। इस लोक कवि सम्मेलन में विधायक कंवर सिंह यादव मुख्यातिथि के रूप में रहेंगे।

पूर्व जिला प्रमुख सुरेंद्र कौशिक जिला अध्यक्ष इंडियन नेशनल लोकदल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेवी एवं शिक्षाविद योगेश शास्त्री, चरखी दादरी के बिजणा गांव के प्रमुख समाजसेवी चतुर्भुज भारद्वाज एवं राठीवास गांव के शुभराम शर्मा उपस्थित रहेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार और तैयारी जोरो पर की जा रही हैं।

कार्यक्रम का प्रबंधन युवा मंडल करेगा। इस गायन वादन विधा को आगे बढ़ाने के लिए हर वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन होता है। हमारे प्राचीन उपनिषद, धार्मिक ग्रंथ और प्रेरक कथाओं से संबंधित चर्चा भी इस कार्यक्रम में होती है। कार्यक्रम में राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा से काफी कवि एवं काव्य प्रेमियों को आमंत्रित किया गया है। सांग में अच्छे कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। विभिन्न गांव के गणमान्य एवं पंचायत प्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

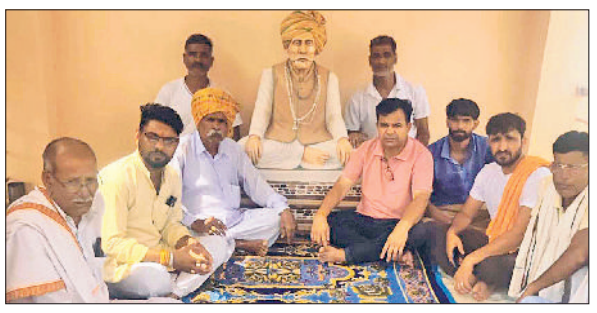

महेंद्रगढ़। गांव गढ़ी में बैठक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गणपत राम लोक संस्कृति मंच के अध्यक्ष रविदत्त महाशय, कोषाध्यक्ष हनुमान शर्मा, मनोज शर्मा, राहुल भारद्वाज ज्योतिष आचार्य, हरिसिंह गुर्जर, युवा मंडल प्रभारी महासिंह तंवर, पंच मोहित तंवर, मनोज गौतम, विक्रम सिंह, निरंजन सिंह, सुमित, सोमवीर, जडेजा, नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

आरपीएस कॉलेज बलाना में प्रतिभाओं का विशेष सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस कॉलेज बलाना में बीती एक जून को टैलेंट हंट आयोजित किया गया था, जिसका सम्मान समारोह रविवार को कॉलेज में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में टैलेंट हंट के साथ-साथ आईआईटी जैम, नेट सीआरएफ चयनित व इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की टॉप-10 मेरिट सूची में प्रतिभाओं का भी विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान व पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि कॉलेज चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, विशिष्ट अतिथि कॉलेज डायरेक्टर डॉ. महेश यादव व कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव, विशेष अतिथि वेटरनरी सर्जन कॉलेज डीन डॉ रामलाल भारद्वाज, डीन प्रो. आरएस यादव व डॉ. हेमंत कुमार रहे। कार्यक्रम के अध्यक्षता डिग्री कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान ने की।

प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान ने बताया कि आरपीएस कॉलेज में देश-प्रदेश की विशेष प्रतिभाओं के लिए एक जून को एक विशेष टैलेंट हंट आयोजित किया गया था।मेडिकल, नॉन मेडिकल में करुणा पुत्री राजकुमार प्रथम को पुरस्कार में लैपटॉप, दीपेश पुत्र सुनील कुमार द्वितीय पुरस्कार में टैब, रेनित राव पुत्र विकास यादव तृतीय एंड्राइड मोबाइल, कॉमर्स में सेजल पुत्र अतुल कुमार प्रथम पुरस्कार में लैपटॉप, परी गोयल पुत्री बृजमोहन द्वितीय पुरस्कार में टैब, पारी पुत्र नवनीत तृतीय पुरस्कार में एंड्राइड मोबाइल इस प्रकार आर्ट्स में समीर यादव पुत्र अनूप कुमार प्रथम पुरस्कार में लैपटॉप, नेहा पुत्री राजेश कुमार द्वितीय पुरस्कार में टैब, अमृता पुत्री जयपाल तृतीय पुरस्कार में एंड्रॉयड मोबाइल इस प्रकार प्रत्येक संकाय में प्रथम, द्वितीय, तृतीय को लैपटॉप टैब व एंड्रॉयड फोन से पुरस्कृत किया गया, इसके बाद प्रत्येक संकाय में 50-50 विद्यार्थियों को भी सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आईआईटी जैम में हिमांशु, निखिल, प्रणेश, अवंतिका, अजय, दीपक, तुषार, अंशुल सहित 33 से अधिक विद्यार्थियों को सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम की टॉप-10 मेरिट सूची में ज्योति, संचय, ऊषा यादव, सोनिया, दीपिका, श्रुति, वर्षा, साक्षी, नीतू, निक्की, तमन्ना, रितु, खुशी सहित 115 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जेजेपी कार्यालय में बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

जननायक जनता पार्टी कार्यालय में एक हल्का स्तरीय पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक नवनियुक्त हल्का प्रधान दिनेश तंवर खुडाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें मुख्यातिथि जिला प्रधान राव राजकुमार खातोद रहे। पार्टी का मुख्य एजेंडा पार्टी संगठन की मजबूती प्रचार प्रसार व सदस्यता अभियान की शुरुआत से हुई। पार्टी के जिला प्रधान राव राजकुमार खातोद ने पार्टी के विस्तार के लिए चर्चा की व विचार-विमर्श किया और कार्यकर्ताओं को पार्टी की भावी रणनीति व नीतियों से अवगत करवाया। इस दौरान जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी छह महीने नेताओं के मार्गदर्शन व आप सभी के सहयोग से पूरे प्रदेश में अग्रणी नाम जिला महेंद्रगढ़ का होगा। खातोद ने कहा कि आप सब के संघर्ष के बल पर मिशन 2029 फतह करने का काम करेंगे व प्रदेश की अगली सरकार जजपा की होगी व प्रदेश की जनता कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर मुख्यमंत्री चौधरी दुष्यंत चौटाला होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हल्का प्रधान ने सभी को आश्वस्त किया कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसे बखूबी निभाने का कार्य करेंगे। मंच संचालन पूर्व सरपंच पूर्व प्रदेश प्रचार सचिव कैलाश पालड़ी ने किया। मीटिंग को पूर्व प्रधान रविंद्र गागड़वास, हैपी तंवर खुडाना, विष्णु डाबड़ चामधेड़ा, रत्नलाल सोनी, मास्टर महीपाल, दिनेश शर्मा, अभिषेक कुरहावटा, राजबीर यादव, ब्रह्मानंद वाल्मिकी ने भी अपने विचार रखे। सभी पदाधिकारियों का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया।

महेंद्रगढ़। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते राजकुमार खातोद। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कार्यालय सचिव वीरेंद्र घाटाशेर, योगी आदलपुर, अमित आदलपुर, सतीश मास्टर, ज्ञानी राम प्रिंसिपल, मानसिंह, भोजराज बास खुडाना, मास्टर नरेश निम्बहेड़ा, अशोक तंवर, हेमंत खरखड़ा, अनिल राव, विक्रम, आशु, सोनू सिंह राजपूत, दमन शास्त्री पालड़ी व देवेंद्र फौजी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोहल्ला गुदड़ी में किया जागरण

नारनौल। श्री श्याम महायज्ञ आयोजन समिति के तत्वावधान में शनिवार रात को मोहल्ला गुदड़ी में जागरण किया गया। रंग बिरंगी लाइटें आकर्षण का केन्द्र रही। मुख्य यजमान हेमु प्रजापत सपरिवार थे। इस अवसर पर बाबा का आलौकिक श्रृंगार किया गया। समिति की ओर से मुख्य यजमान को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। सर्वप्रथम आचार्य नारायण शास्त्री ने मुख्य यजमान से विधिवत पूजन करवाया। म्यूजिक मास्टर मोहन सागर ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का आगाज किया। डॉ. राहुल शर्मा ने आजा रे कन्हैया आजा रे, शिवा ने किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, प्रवीण शर्मा ने मेरे श्याम मुझे राह दिखाओ, सुदेश शर्मा ने तेरे भरोसे हनुमान सागर में नैया डाल दी, दीपक दीवान ने राधे तेरे चरणों की, संजय ने मैया है मेरी शेरावाली, मंजू यादव ने मेरा श्याम का दरबार आदि भजनों से भगवान की महिमा का गुणगान किया। इस मौके पर डॉ. सुभाष, हवासिंह, संजय, विजय रहीश, नितिन, अमित, मुसद्दीलाल प्रजापत आदि भक्त मौजूद थे।

मालड़ा सराय में योग शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राजकीय माध्यमिक विद्यालय मालड़ा सराय में योगाचार्य शीशराम यादव द्वारा संचालित योग शिविर का रविवार को पारितोषिक वितरण एवं अतिथि सम्मान समारोह के साथ समापन हो गया। इस योग शिविर में गांव मालड़ा व आसपास के 50 से अधिक बच्चों व पुरुषों ने लगातार योगाभ्यास कर शारीरिक लाभ प्राप्त किया। रविवार को हर दिन की भांति योग शिविर सुबह छह बजे शुरू हुआ। दैनिक योगाभ्यास के बाद और योग शिविर समापन अवसर पर पारितोषिक वितरण एवं अतिथि सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के इंचार्ज मनोज कुमार शास्त्री ने की।

योगाचार्य शीशराम यादव ने बताया कि वे काफी वर्षों से स्वामी रामदेव की पतंजलि योग समिति के कार्यकर्ता है तथा हर वर्ष ग्रीष्मकालीन योग शिविर लगाते है। 22 दिनों से लगातार चल रहे योग शिविर का विधिवत रूप से समापन है। समापन समारोह में योग शिविर में लगातार सहयोग कर रहे सेवानिवृत्त मुख्य अध्यापक जगदेव यादव लावन, सेवानिवृत्त प्रवक्ता महावीर सिंह बवाना, कर्मचारी नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुजान मालड़ा, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट पाली से योगाचार्य मोहित धनाना व विक्रम सिंह मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। मुख्यवक्ता सुजान मालड़ा ने कहा कि योग का हमारे जीवन में बहुत महत्व है।

आज की इस आधुनिक चकाचौंध और मशीनी युग में हम शारीरिक कार्य ना करके मशीनरी व लेबर पर निर्भर हो गए। डिजिटल युग में जितना काम आसान हुआ है, उतना ही इसके अधिक प्रयोग से हमारी दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो रही है तथा हम शारीरिक और मानसिक रूप से रोगी हो रहे है। उन्होंने कहा कि अगर हमें स्वस्थ रहकर लंबी जिंदगी जिनी है तो दैनिक जीवन में योग को नियमित रूप से अपनाएं और रोगों को दूर भगाएं। नियमित रूप से योग करने से अनेक महिलाओं और पुरुषों ने कैंसर जैसी घातक बीमारी को मात देकर नया जीवन पाया है। कार्यक्रम के अंत में योगाचार्य शीशराम यादव, जगदेव यादव व मनोज शास्त्री ने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को स्टेशनरी का सामान व बिस्कुट वितरित किए। योगाचार्य शीशराम यादव ने अपनी और से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। मंच संचालन मनोज कुमार शास्त्री ने किया। इस अवसर पर धनपत सिंह, छाजूराम, हवासिंह जांगिड़, लालचंद यादव, विजय सिंह, कृष्ण कुमार, अतर सिंह, मुख्तार सिंह, मनोज आदि बच्चे उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़। योग शिविर में उपस्थित साधक। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

नारनौल। आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय जीवन कौशल था। इस कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. राममोहन वशिष्ठ थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। जिसमें विद्यालय के प्राचार्य बाबूलाल यादव, कोर्डिनेटर राजेश्वरी, कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी, मुख्य प्रशिक्षक डॉ. वशिष्ठ तथा विद्यालय के सभी शिक्षक गणों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। डॉ. राममोहन वशिष्ठ ने शिक्षकों को जीवन कौशल के महत्व और इसके प्रभावी शिक्षण तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जीवन कौशल छात्रों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। प्रशिक्षण सत्र में डॉ. वशिष्ठ ने शिक्षकों को जीवन कौशल के विभिन्न पहलुओं की गहराई से जानकारी दी। उन्होंने शिक्षकों को प्रेरित किया कि वे छात्रों को बिना किसी डर के स्वयं को अभिव्यक्त करने का अवसर दें, क्योंकि वहीं से वास्तविक शिक्षण की शुरूआत होती है। सत्र के दौरान शिक्षकों के लिए कई रोचक व सहभागी गतिविधियां भी आयोजित की गई। यह सत्र शिक्षकों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्हें अपने शिक्षण शैली में नवाचार लाने की प्रेरणा भी मिली। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बाबूलाल यादव ने डॉ. राममोहन वशिष्ठ का आभार प्रकट करते हुए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने सभी शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

राधे नाम की गूंज से भक्तिमय हुआ नारनौल

- 127वीं प्रभातफेरी ने एक बार फिर भक्तों को अध्यात्म की गहराइयों से जोड़ दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रविवार की प्रातः बेला में शहर भक्ति और श्रद्धा के रंगों में रंगा हुआ नजर आया। जैसे ही सूरज की पहली किरणें धरती पर पड़ीं, वैसा प्रतीत हुआ मानो स्वयं राधा रानी की कृपा इस नगर पर बरस रही हो। श्री राधा कृष्ण प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में निकाली गई 127वीं प्रभातफेरी ने एक बार फिर भक्तों को अध्यात्म की गहराइयों से जोड़ दिया। फेरी का शुभारंभ यजमान विक्रम सोनी ने अपने परिवार सहित ठाकुर जी की विधिवत पूजा अर्चना कर किया।

तदुपरांत सभी भक्तों को चंदन तिलक लगाकर ससम्मान आमंत्रित किया गया। ढोल नगाड़ों की लय, राधे राधे के नाम की गूंज और श्रद्धालुओं की नृत्य मुद्राएं का दृश्य शहर की गलियों को वृंदावन की गलियों में बदल रहा था।

मोहल्ला मिश्रवाड़ा व संघीवाड़ा से गुजरती यह प्रभात फेरी उस समय विशेष भावनात्मक रंग में रंग गई, जब बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं व युवा एक साथ राधे नाम के संकीर्तन में झूमते नजर आए। छोटी छोटी घंटियों की मधुर ध्वनि, ढोलक की थाप और भक्तों की आस्था से गूंजता वातावरण जैसे स्वयं ठाकुर जी को आमंत्रित कर रहा था। जन जन की यह पुकार थी राधे रानी हमारे जीवन में सदैव कृपा बनाए रखना। परिक्रमा मार्ग में जगह जगह श्रद्धालुओं ने प्रभात फेरी का पुष्पवर्षा, आरती और प्रसाद वितरण से भव्य स्वागत किया।

श्रद्धा और सेवा की मिसाल बनती इस प्रभात फेरी में लोगों ने घरों के दरवाts खोल दिए और खुले हृदय से प्रभु चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। लगातार दो वर्षों से अधिक समय से चल रही इस प्रभात फेरी का प्रभाव इतना गहरा है कि सैकड़ों श्रद्धालु नित्य इस यात्रा से जुड़ते जा रहे हैं।

नारनौल। शहर में प्रभातफेरी निकालते लोग। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। सीजीएल में चयन होने पर वर्षा शर्मा को सम्मानित करते हुए।

एसएससी सीजीएल में सुराणी की वर्षा शर्मा का चयन

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव सुराणी की वर्षा शर्मा पुत्री सुरेन्द्र शर्मा ने एसएससी सीजीएल की 2025 परीक्षा उत्तीर्ण कर अटेली क्षेत्र का मान बढ़ाया है। चयन होने पर परिजनों ने मिठाई खिलाकर वर्षा की उपलब्धि पर खुशियां मनाई। इस मौके पर भगवान परशुराम गौड़ ब्राह्मण सभा अटेली द्वारा वर्षा शर्मा को स्मृति चिह्न व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रधान गौरव गौड़ व कार्यकारणी सदस्य ने बताया कि वर्षा शर्मा ने समाज व क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। भविष्य मे सभा ऐसे बच्चों को सफलता के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे। इस मौके पर वर्षा शर्मा ने बताया कि इस सफलता पर पहुंचने मे वह माता-पिता एवं परिवार के बड़े ताऊ रामनिवास शर्मा, सत्यबीर शर्मा, नित्यानंद शर्मा, नरेंद्र शर्मा, खेमचंद शर्मा, भाई मनीष, कृष्ण, हर्ष सहयोग रहा है। इसके अलावा वह शिक्षकों कि भी आभारी है, जिन्होंने उसका मार्गदर्शन किया। इस मौके पर सभा के पदाधिकारी उपाध्यक्ष राजेश कौशिक, सचिव ईश्वर जोशी, कोषाध्यक्ष भवानी शंकर जोशी, कार्यकारी सदस्य कमल वशिष्ठ, अरविंद शर्मा बाछौद मिर्जापुर, नागेंद्र शर्मा व मनोज मुदगिल मौजूद रहे।

ट्रक ने ई-रिक्सा को पीछे से मारी टक्कर, घायल

नारनौल। शहर से बलाहा खुर्द जाते वक्त ई-रिक्सा को खटोटी के नजदीक पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्सा में सवार लोग घायल हो गए। पुलिस को दी शिकायत में नारनौल के मोहल्ला जेर मंडेरी हाल आबाद मोहल्ला मार्कसीद नजदीक छिप्पी जोहड़ ने बताया कि वह किराए के मकान में रहता है। उसके पास उसका साला ऋषि कपूर व उसक पत्नी सुशीला उर्फ वर्षा आए हुए थे। जब वह उन्हें अपने ई-रिक्सा से छोड़ने के लिए गांव बलाहा खुर्द जा रहा था, तब खटोटी खुर्द नजदीक राव मूलचंद स्कूल के समीप पीछे से आ रहे एक ट्रक ने तेज गति एवं लापरवाही से उसके ई-रिक्सा को टक्कर मार दी तथा ट्रक को वहीं छोड़कर भाग गया। आसपास के लोगों ने फोन करके मौके पर एंबुलेंस को बुलाया तथा उन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया। धर्मेंद्र की तबीयत ज्यादा खराब होने के कारण डाक्टर साहब ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

स्व. उषारानी गोगिया की पुण्यतिथि पर नागरिक अस्पताल में लगाया गया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की अग्रणी एवं सामाजिक संस्था नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप की ओर से रविवार को स्वर्गीय उषा रानी गोगिया की दूसरी पुण्यतिथि पर नागरिक अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी राकेश यादव चेयरमैन यूएसएल अकेडमी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संस्थापक मनीष गोगिया, कार्यकम संयोजक मनीष गर्ग, अनिल शर्मा, संदीप जैन व राकेश यादव सेकवाल ने संयुक्त रूप से की। इस रक्तदान शिविर में 49 रक्तवीरों ने अपना रक्तदान किया। यह रक्त एकत्रित करके नागरिक अस्पताल ब्लड बैंक को सौंप दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि हर स्वस्थ युवाओं को प्रत्येक तीन महीने में रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान करने से किसी प्रकार से कोई दिक्कत या परेशानी नहीं आती, बल्कि हार्ट अटैक का खतरा भी कम बना रहता है। कार्यक्रम की शुरूवात रक्तवीरों को बैज लगाकर की। मनीष गोगिया ने बताया कि इस कैंप में नारनौल की 36 बिरादरी के युवाओं ने अपनी अहम भूमिका निभाई। रक्तदान में 75 लोगों ने अपन नामांकन किया। वहीं कुछ निजी कारणों की वजह से सभी रक्तदाता रक्तदान नहीं कर पाए। इस रक्तदान में आए हुए सभी रक्तवीरों को संस्था को तरफ से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी से प्रेम गौतम व नागरिक अस्पताल ब्लड बैंक की टीम का सराहनीय सहयोग रहा। वहीं इस रक्तदान में अतिथियों व नागरिक अस्पताल, रेडक्रॉस सोसायटी को संस्था को तरफ से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

नारनौल। शिविर में रक्तदाता को बैज लगाते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विपिन शर्मा, दलजीत गौतम शास्त्री, मदनलाल गोगिया, कृष्णा आर्य, भारत भूषण वालिया, राघव गोगिया, गजेंद्र ठेकेदार, दुलीचन्द शर्मा, विजय रहीश, मनीष गोगिया, राकेश यादव, निखिल जैन, संदीप जैन, मनीष गर्ग, प्रवेश जांगिड़, अनिल शर्मा, प्रेम गौतम, नरेश पटीकरा, करण चुनवाल, नवीन हरियाणवी आदि मौजूद थे।

पुरानी सराय में किया सुंदरकांड पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को सीताराम अग्रवाल, नवीन भालोठिया के प्रतिष्ठान पुरानी सराय पर सुंदरकांड पाठ किया गया। सर्वप्रथम आचार्य अश्वनी शर्मा ने पूजा अर्चना करवाकर हनुमान चालीसा, गणेश वंदना व रामधुन के साथ सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ किया। जिसकी अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल ने की। बालाजी महाराज का रंग बिरंगे फूलों से राजेश सोनी ने भव्य दरबार सजाया। महावीर प्रसाद अग्रवाल, राजेश सोनी, संजय अग्रवाल, तरुण सोनी, प्रशांत सैनी, रामानंद शर्मा, गौरीशंकर शर्मा, नवीन जैन, काशीराम सैनी, राकेश गुप्ता, संजय शर्मा, शिवशंकर अग्रवाल, नरेंद्र गर्ग ने सुंदरकांड पाठ के दौहे व चौपाइयों का गायन किया। मंडल के प्रमुख सदस्य शिवशंकर अग्रवाल ने मुख्य अजमान को बालाजी महाराज की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

इसके बाद भजनों का दौर शुरू हुआ। जिसमें मास्टर गौतम ने आओ आओ बाबा पुकार पर मेरा भरोसा है, महावीर प्रसाद अग्रवाल ने पकड़ लो हाथ बालाजी नहीं तो हम डूब जाएंगे, तरुण सोनी ने तेरे पूजन को भगवान बना मन मंदिर आलीशान, गौरीशंकर शर्मा ने मेरे बालाजी महाराज जयकारा गूंजे गली गली आदि भजनों से भगवान की महिमा का गुणगान किया।

नारनौल। यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

ये रहे मौजूद

मौके पर मीणा राम, सतीश कुमार, ओपी सैनी, अशोक सिंघल, महेश मित्तल, रामेश्वर शर्मा, चिंटू गुप्ता, लोकेश गर्ग, प्रवेश अग्रवाल, भीषण सोनी, सोनू प्रजापत, सुरेंद्र गर्ग, मन्नू बंसल, प्रमोद गर्ग, चिंटू संघी, बजरंग लाल गर्ग, दीपक सिंघल, विशंभर अग्रवाल, अशोक कुमार, मंजू देवी, सरोज देवी, संजू, लीला, ज्योति आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

जजपा की अटेली हलके की बैठक आज : बेदू

मंडी अटेली। जननायक जनता पार्टी की अटेली हलके की बैठक आज 23 जून को अटेली के एक में गार्डन में आयोजित की जाएगी। हलका प्रधान बेदू राता ने बताया कि इस बैठक में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जननायक जनता पार्टी से जोड़ने लिए विचार-विमर्श किया जाएगा, जिससे पार्टी संगठन और ज्यादा मजबूत होगा। पार्टी के पदाधिकारी व सक्रिय सदस्य हलके के गांव एवं वार्ड में घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करेंगे और लोगों को संगठन के साथ जोड़ने का काम करेंगे।

निजामुपर क्षेत्र के जंगल में मिला व्यक्ति का शव

नारनौल। निजामपुर पुलिस को डाबला की तरफ लगते जंगल में एक पेड़ के नीचे व्यक्ति मृतावस्था में मिला है। फोन पर मिली सूचना के आधार पर निजामपुर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई शुरू की। जानकारी मुताबिक डाबला बणी क्षेत्र में छोटे खेजड़ी के पेड़ के नीचे एक व्यक्ति उम्र करीब 60 साल की लाश मिली, जिसने ग्रे सफेद कलर का कुर्ता-पजामा पहन रखा है। पास में पुरानी ग्रे कलर की स्लीपर एवं एक सफेद तोलिया पुराना, एक पानी की बिसलेरी की बोतल जो खाली है तथा एक एक्शन शूज मार्का का सफेद पॉलीबैग मिला है, जिसमें एक सफेद तोलिया नया एवं एक अखबार में लिपटी हुई आठ रोटियां, आंवले का आचार सहित मिली हैं। बदन पर कोई चोट वगैरा नहीं है, जिसको स्थानीय स्तर पर पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई पहचान नहीं हो सकी है।

सिहमा के सात किसानों के ट्यूबवेल की केबल चोरी

नारनौल। आजकल इलाके में चोरों का आतंक बना हुआ है। चोर रात के अंधेरे में सुनसान इलाके में बने कुओं का निशाना बना रहे हैं। गत रात्रि को सिहमा क्षेत्र से सात किसानों के ट्यूबवेल से चोरों ने केबल काटकर उसे चोरी कर लिया। सिहमा निवासी किसान रामनरेश ने बताया कि गत 20 जून की रात को उसके ट्यूबवेल से लगभग 50 फुट केबल काटकर उसे चोरी कर लिया गया। सुबह जाकर देखा तो केबल कटी हुई मिली। पड़ोस के कुओं से भी चोर केबल चोरी कर ले गए। किसान मोहर सिंह, ओमप्रकाश, राजसिंह, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, सुभाष, रमेश चंद आदि सात लोगों के ट्यूबवेलों से केबल चोरी कर ली गई। एक मोटर, पंखा व अन्य सामान भी चुरा लिया गया।

बिहाली गांव में किसान की भैंस चोरी, केस दर्ज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव में एक पशुपालक की भैंस अज्ञात चोर चुरा ले गए। पुलिस में दर्ज शिकायत में बिहाली निवासी अशोक कुमार ने बताया कि तलवाना-रैवाणा (राजस्थान) को जाने वाले रोड पर लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर परिवार एवं पशुओं सहित लगभग 15 वर्षों से रहता है। गत 20 जून की रात्रि को डेढ़ बजे से दो बजे के बीच में कुछ अज्ञात चोरों ने उसकी दुधारू भैंस की चोरी कर ली, जिसकी किमत लगभग एक लाख रुपये थी। अटेली पुलिस ने पशुपालक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

प्रदेश सरकार के प्रयास व ग्रामीणों की मेहनत रंग लाई, मांजरा खुर्द की गूगल वाटिका बनी पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन व प्राकृतिक खेती का उत्कृष्ट उदाहरण

■ पौधों की सुगंध मानसिक व शारीरिक ताजगी का करा रही आभास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार के दूरदर्शी प्रयासों से महेंद्रगढ़ जिले के माजरा खुर्द गांव में स्थापित गूगल वाटिका (हर्बल पार्क) पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। लगभग 35 एकड़ में फैला यह विशाल हर्बल पार्क वन विभाग की ओर से औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

यह प्रदेश में औषधीय वनस्पति के संरक्षण और खेती को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गूगल वाटिका में कदम रखते ही हारसिंगार की मनमोहक सुगंध, ब्रह्मबूटी की जीवनदायिनी शक्ति, श्याम तुलसी की पवित्रता और कमल की अलौकिक सुंदरता का अनुभव होता है। यहां ग्वारपाठा, पत्थरचट, कैक्टस, शतावरीए नरगिस, गुलाब, सदाबहार, लिली, छुईमुई, मगध बाऊरी जैसे सैकड़ों औषधीय पौधे लगाए गए हैं, जो आयुर्वेदिक उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन पौधों की सुगंध और गुणों से भरपूर वातावरण आगंतुकों को मानसिक और शारीरिक ताजगी प्रदान करता है।

नारनौल। गूगल वाटिका का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

स्वच्छता और प्रेरणा का प्रतीक

स्वच्छ भारत अभियान के तहत गूगल वाटिका में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है, जो इसकी सुंदरता और शांतिपूर्ण वातावरण को बनाए रखने में सहायक है। इस पार्क की सफलता ने न केवल मांजरा खुर्द गांव को एक स्वास्थ्य व पर्यटन केंद्र के रूप में पहचान दिलाई है, बल्कि यह प्रदेश के अन्य गांवों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बन गया है, जो उन्हें भी ऐसी ही हरित और टिकाऊ पहल अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

किसानों के लिए प्रेरणा व आर्थिक संबल

हरियाणा सरकार ने इस पार्क में एक शोध केंद्र की स्थापना कर किसानों के लिए एक नई दिशा खोली है। यह केंद्र औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण और बहुमूल्य सलाह प्रदान करता है। समय समय पर किसानों को निःशुल्क पौधों का वितरण भी किया जाता है। जिससे उन्हें अपनी आय बढ़ाने और प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। जैविक खाद बनाने का प्रशिक्षण भी यहां दिया जाता है।

पर्यटन व पारिवारिक पिकनिक का केंद्र

मांजरा खुर्द का यह हर्बल पार्क अब केवल एक औषधीय वनस्पति केंद्र नहीं, बल्कि एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में भी पहचान बना चुका है। गांव के जागरूक ग्रामीण राहुल यादव व कृष्ण यादव के अनुसारए सुबह शाम बड़ी संख्या में लोग यहां सैर करने आते हैं। पार्क में बनी पैदल पट्टियां आगंतुकों को आराम से घूमने की सुविधा प्रदान करती हैं। बच्चों के लिए झूलों और खेल की उचित व्यवस्था इसे एक आदर्श पारिवारिक पिकनिक स्पॉट बनाती है।

प्रयास सराहनीय : उपायुक्त

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि हरियाणा सरकार के सहयोग से ग्रामीणों का यह अभिनव प्रयास वास्तव में सराहनीय है, जो पर्यावरण, स्वास्थ्य और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस तरह के प्रयासों से दूसरे नागरिक भी प्रेरणा लेते हैं।

सब्जी मंडी में कूड़े के ढेर होने से बीमारी फैलने की आशंका

जगह-जगह फैली गंदगी के बीच अपनी सब्जी बेचने को मजबूर हैं दुकानदार

मंडी में सब्जी खरीदने के लिए आने वाले ग्राहकों को कूड़े के कारण करना पड़ रहा है काफी परेशानियों का सामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सब्जी मंडी में चारों तरफ फैली गंदगी से सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। मंडी में विभिन्न जगहों पर लगे कूड़े के ढेर के कारण हर समय बीमारी फैलना का खतरा बना रहता है।

इस वजह से मंडी में सब्जी खरीदने वाले ग्राहकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सब्जी मंडी में जगह-जगह कूड़े के ढेर तथा आसपास बिखरी गली-सड़ी सब्जियों से लोगों का मंडी में खड़े होना भी मुश्किल हो गया है। गंदगी से पैदा होने वाले मच्छरों से वहां बिकने के लिए रखी ताजा सब्जियां भी खराब हो रही हैं। बता दें कि नगर की सब्जी मंडी में इन दिनों जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए है। जिससे मंडी में आने वाले लोगों को काफी परेशानियों को सामना करना पड़ता है।

इन कूड़े के ढेर में आवारा गोवंश पूरे दिन मुंह मारते रहते है। यह भी बता दें कि सब्जी मंडी में रोजाना काफी संख्या में सुबह व शाम सब्जी विक्रेताओं तथा खरीदारों का आना-जाना लगा रहता है। मार्केट कमेटी की ओर से मंडी में सफाई को लेकर उचित कदम नहीं उठाने के कारण मंडी में गंदगी के ढेर लगे हुए है। इस गंदगी के ढेरों से पैदा होने वाली बदबू व मच्छरों से बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। मंडी में जगह-जगह फैली गंदगी के बीच ही दुकानदार अपनी सब्जी बेचने को मजबूर हैं। अनजाने में इन दूषित सब्जियों की खरीदारी कर लोग भी बीमारियों का शिकार हो सकते है।

महेंद्रगढ़। सब्जी मंडी में कूड़े का ढेर। फोटो : हरिभूमि

बढ़ती जा रही आवारा पशुओं की तादात

सब्जी मंडी में शौचालय व पीने के पानी की टंकी के पास तो कूड़े का इतना ज्यादा ढेर लगा हुआ है कि लोग यहां पर पानी पीने से भी कतराते हैं। सब्जी मंडी में खरीददारी करने आए अंकित, सुरेंद्र, विक्की, राजेश, नरेश, निर्मला, दीपक, मुकेश, अजय, सुभाष आदि ने बताया कि मंडी कूड़े के ढेर के कारण मंडी में बीमारियां फैलने का खतरा पैदा हो गया है। सारा दिन मंडी में से गंदगी के कारण इतनी बदबू आती है कि एक जगह पर कोई भी खड़ा नहीं रह सकता। मंडी में फैली गंदगी के कारण यहां पर खरीददारी करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने मार्केट के अधिकारियों से मांग की है कि सब्जी मंडी में फैली गंदगी की सफाई करवाई जाए, ताकि इससे पैदा होने वाली बदबू से फैलने वाली बीमारियों से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि मंडी में आवारा पशुओं की तादात बढ़ती जा रही है। मंडी में आवारा पशु की तादात बढ़ने से यह आपस में लड़ते रहते है तथा खरीदारी करने आने वाले लोगों को अक्सर घायल भी कर देते है।

खबर संक्षेप

ग्रामीणों को किया नशे के खिलाफ जागरूक

नारनौल। पुलिस महानिदेशक हरियाणा के निर्देशानुसार समस्त हरियाणा में 12 जून से 26 जून तक नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा। पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार समस्त हरियाणा में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के तहत पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देश पर मादक पदार्थ तस्करों एवं अपराधिक किस्म के लोगों पर ओर अधिक प्रभावी ढंग से शिकजा कसने के लिए तथा नशे जैसी बीमारी के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के लिए अटेली के गांव बजाड़ व नीरपुर में युवाओं, ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक किया। इस दौरान निरीक्षक लाजपत व उनकी टीम ने सभी को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित किया तथा लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। ग्रामीणों से अपील की कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान में लोगों को बढ़ चढ़कर भाग लेकर पूर्ण सहयोग करें। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि गैरकानूनी धंधा करने वालों तथा नशा बेचने वालों की सूचना बिना किसी भय के पुलिस दें, सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि युवा देश की धरोहर है, इसलिए वे नशे जैसी बुराई से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद व अन्य सामाजिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर अपना व अपने देश प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से समाज को नशामुक्त करने के लिए अथक प्रयास निरंतर जारी हैं और भविष्य में इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

'संघर्ष के प्रतीक बाबा साहब' का किया विमोचन

नारनौल। परिवर्तनकारी साहित्य मंच की ओर से रविवार को अंबेडकर भवन में पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के जाने माने कवि सुंदरलाल उत्सुक की नवप्रकाशित नौवीं कृति संघर्ष के प्रतीक बाबा साहब का विमोचन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान रहे, जबकि महिला कॉलेजए अटेली के प्राचार्य डॉ. प्रवीण यादव, प्रखर सामाजिक कार्यकर्ता बिरदी चंद गोठवाल व राष्ट्रीय खेल पदक विजेता बाबूलाल चोरेड विशिष्ट अतिथि रहे। इस पुस्तक की सम्यक समीक्षा मंच के अध्यक्ष डॉ. शिवताज सिंह ताज ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिले के गांव गणियार के रहने वाले कवि सुंदरलाल उत्सुक अब तक सामाजिक, तार्किक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संबंधित नौं पुस्तकें लिख चुके हैं। मंच संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता रविंद्र सैनी ने किया। मंच के सचिव मनोज बुलाण ने समारोह में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने परिवर्तनकारी साहित्य मंच की गतिविधियों की सराहना की।

गांव निम्बहेड़ा में भंडारे का आयोजन

महेंद्रगढ़। गांव निम्बहेड़ा में बाबा लालमण पित्र देव को याद किया गया। इस दौरान हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे का आयोजन समस्त ग्रामीणों ने किया। भंडारे में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने आकर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा सेठ जियालाल की धर्मशाला में किया गया। महायज्ञ में आहुति सुंदरलाल जोशी ने दी। इसके साथ समस्त ग्रामीणों ने हवन करवाया। इस मौके पर श्रीभगवान राम बावरिया, अमर सिंह, रतन सिंह, राकेश कारौली, जिले सिंह बादशाहपुर, ईकरण से गोपीराम, राकेश एसडीओ निम्बहेड़ा, दीवान, सुरेश यादव, डॉ. नेहा चौहान सहित समस्त ग्रामीण उपस्थित रहे।

गौड़ ब्राह्मण सभा का प्रतिभा सम्मान समारोह 25 को

सतनाली मंडी। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा इलाका सतनाली की ओर से 25 जून को सतनाली में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। सभा के प्रधान अशोक गौत्तम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सतनाली में सुरोलिया कॉप्लेक्स में सुबह 10 बजे सभा की ओर से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद प्रमुख सुरेंद्र कौशिक मुख्य अतिथि होंगे।

नारनौल। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

नरेश चौधरी बने हुडा रेजिडेंट वेलफेयर एसो. के प्रधान

नारनौल। हुडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव रविवार को संपन्न हुए। यह चुनाव राधा कृष्णा समारोह स्थल में कराए गए। चुनाव के लिए आठ सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। यह चुनावी बैठक काफी हंगामेदार रही। जिसमें कुछ लोगों ने विरोध भी जताया, लेकिन बाद में सहमति से नरेश चौधरी को प्रधान चुन लिया गया। चुनाव समिति के प्रधान एडवोकेट रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि सेक्टर एक की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन का गठन सर्वसम्मति से किया गया है। आठ सदस्यीय चुनाव समिति बनाई गई थी। जिसमें रवि चौधरी, चंदन सिंह जालवान, बनेसिंह यादव, सत्यवीर सिंह यादव, जयप्रकाश कौशिक, राजेंद्र यादव, रघुराज रोहिला व अनिल गुप्ता को शामिल किया गया। इस कमेटी की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। सर्वसम्मति से सभी पदों का चुनाव हुआ। जिसमें नरेश चौधरी को प्रधान, सुंदरलाल शर्मा को उपप्रधान, अमरजीत यादव को सचिव, अजय अग्रवाल को सहसचिव, महेंद्र सिंह को प्रेस सचिव व अनिल गुप्ता को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं छह लोगों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। सेक्टर एक की हुडा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की पुरानी कार्यकारिणी का कार्यकाल तीन माह पहले समाप्त हो गया था।

सात दिवसीय शिविर

योग से बनता है अनुशासित जीवन : ओमप्रकाश यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

ग्राम बसीरपुर में सप्त दिवसीय नवयुवक चरित्र निर्माण योग प्रशिक्षण एवं नशा मुक्ति संस्कार शिविर संपन्न हो गया।

योग शिविर में मुख्य अतिथि नारनौल के विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश ने कहा कि बच्चों को जीवन में योग को अपनाकर अपना जीवन अनुशासित करना चाहिए। क्योंकि योग ही जीवन का आधार है। अति विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष सामरिया ने कहा कि आज के समय में बच्चों को ऐसे शिविरों के माध्यम से उन्हें संस्कार देकर सही मार्ग पर चला सकते हैं। क्योंकि आज के समय में बच्चे एवं नवयुवक अपनी दिशा से भटक रहे हैं। इसलिए हम सब का कर्तव्य बनता है कि बच्चों को सही मार्ग पर प्रशस्त करें। विशिष्ट अतिथि नीरज मेधार्थी ने कहा बच्चों को जीवन में दो बातें अपनानी चाहिए। हमारे अंदर कौशल विद्या होनी चाहिए, जिससे हम विद्याध्यन पूर्ण करने पर आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो सके। हमारा खानपान शुद्ध होना चाहिए, जिससे हम बीमारियों से दूर रह सके।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पूर्व सरपंच रामनिवास ने कहा बच्चों के निर्माण के लिए संस्कार बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि अगर हमारा जीवन संस्कारों से विहीन है तो जीवन ही निरर्थक है। शिविर संयोजक डॉ. वीरेंद्र कुमार शास्त्री ने सभी अतिथियों एवं ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन वीरसेन शास्त्री ने किया। आर्य वीर शिक्षक प्रभु सिंह बहुत ही अथक प्रयास से एक सप्ताह तक बच्चों में संस्कारों युक्त शिक्षा के साथ शारीरिक, बौद्धिक एवं आत्मिक शिक्षा प्रदान की।

नारनौल। योग, नशा मुक्ति एवं चरित्र निर्माण शिविर में बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अवैध हथियार रखने के दो आरोपी गिरफ्तार

■ आरोपियों से देसी पिस्टल, कट्टा व जिन्दा कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने सभी थाना प्रबंधकों, चौकी इंचार्जों को अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिनके तहत कार्रवाई करते हुए सीआईए पुलिस ने थाना निजामपुर के विभिन्न क्षेत्रों से अवैध हथियार रखने के मामले में गुप्त सूचना के आधार पर दो आरोपित संदीप वासी मुसनौता और विकास वासी बामनवास कोटपुतली राजस्थान को गिरफ्तार किया।

आरोपित संदीप से पुलिस ने एक अवैध देसी पिस्टल और एक जिन्दा कारतूस बरामद किया। आरोपित विकास से पुलिस ने एक अवैध देसी कट्टा व एक जिन्दा कारतूस बरामद किया। पहले मामले में सीआईए टीम गश्त के दौरान छिलरो बस अड्डा पर मौजूद थी। टीम को गुप्त सूचना मिली कि संदीप वासी मुस्नौता निजामपुर फ्लाई ओवर के नीचे खडा है, जो अवैध हथियार लिए हुए है। टीम तुरंत प्रभाव से बताए हुए स्थान पर पहुंची। जहां पर एक नौजवान लड़का खड़ा दिखाई दिया। जिसको काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम संदीप बताया। चेक करने पर संदीप के पास से एक देसी पिस्टल मिले व मैगजीन से एक जिन्दा कारतूस मिला। टीम ने अवैध हथियार को जब्त कर आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत थाना निजामपुर में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

अभियान का मुख्य लक्ष्य जिले के सभी गांवों को स्वच्छता के दायरे में लाना

एक सामूहिक प्रयास से बदल रही गांवों की तस्वीर

■ सघन स्वच्छता अभियान में अब तक 72 गांव हो चुके कवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

महेंद्रगढ़ जिले में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती के दिशा निर्देश पर सघन स्वच्छता अभियान 2025 जोरों पर है। नौ जून से शुरू हुए इस अभियान ने अब तक 72 गांवों को कवर कर लिया है, जो ग्रामीण स्वच्छता के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य महेंद्रगढ़ जिले के सभी गांवों को स्वच्छता के दायरे में लाना है। यह अभियान सोमवार से शुक्रवार तक प्रत्येक खंड के एक एक गांव में चलाया जा रहा है। अगले तीन महीनों तक चलने वाले इस अभियान में आसपास के पांच से गांवों के सफाई कर्मचारियों के साथ साथ सभी ग्रामीणों की जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का एक अहम पहलू गांवों में जल भराव की समस्या पर फोकस करना भी है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सफाई के साथ साथ जल निकासी की उचित व्यवस्था हो, जिससे ग्रामीणों को इस समस्या से निजात मिल सके। सीईओ मनोज कुमार ने सभी नागरिकों से अपील की है कि जब भी यह स्वच्छता टीम उनके गांव पहुंचे, तो पूरा गांव सामूहिक रूप से इस अभियान में हिस्सा ले। यह अभियान केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि एक सामुदायिक आंदोलन है।

इसमें हर ग्रामीण की सक्रिय भागीदारी से ही महेंद्रगढ़ के गांव स्वच्छ और सुंदर बन सकते हैं। इस अभियान के माध्यम से महेंद्रगढ़ जिला न केवल स्वच्छता के नए मानदंड स्थापित कर रहा है, बल्कि यह भी दिखा रहा है कि जब सरकार और जनता मिलकर काम करते हैं, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

नारनौल। गहली में सफाई अभियान में जुटे ग्रामीण। आजमाबाद मौखुता में सफाई कर रहे ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि